[Shri Dinesh Chandra Goswami]

tion been able to bring any change in their way of life? Thirdly, the most imoprtant question is where this procedure of keeping these people in isolation, following the doctrine of Verrier Elwyn is leading us to.

All these questions are coming up. This matter has very very serious consequences. That in 1973, six boys could be killed and eight could be injured, without any rhyme or reason by a tribe is indeed beyond comprehension. I would request you to admit our callattention....

MR. SPEAKER: Then why should I allow you now?

SHRI DINESH CHANDRA GOSWAMI: The Minister should make a statement on this, or a discussion on it should be allowed.

13.16 hrs.

RE. STRIKE BY WORKERS OF STENTON PIPE AND FOUNDRY FACTORY, UJJAIN

श्री हुकम चन्द कछवाय : (मुरैना): अध्यक्ष महोदय, मैं सरकार का ध्यान उज्जैन की स्टेन्टन पाईप एण्ड फाउण्ड्री फैक्टरी की ओर दिलाना चाहता हूं। वहां पर वेतन मण्डल की रिपोर्ट तीन साल से आई हुई है लेकिन उसको लागू नहीं किया जाता है जिसके फलस्वरूप वहां कर्मचारियों में काफी उत्तेजना है। वहां पर पिछले 42 दिनों से लगातार हड़ताल चल रही है। नियमानुसार फैक्टरी का जो निर्धारित समय है उससे अधिक समय तक काम लिया जाता है। इसके साथ साथ मध्य प्रदेश सरकार ने जो योजनायें बनाई हैं पाइप बिछाने की वह फेल हो रही हैं, उन पर काम चालू नहीं हो रहा है। इस फैक्टरी को दो साल से केन्द्रीय सरकार ने ले रखा है इसलिए सारी जिम्मेदारी केन्द्रीय सरकार पर ही आती है कि इन सारी चीजों को लागू किया जाये। हड़ताल के दौरान जो कर्मचारी निकाले गए हैं उनको पुनः काम पर रखा जाना चाहिए। मैं सरकार को चेतावनी देना चाहता हूं कि हजारों लोग वहां पर इससे प्रभावित हैं। उनकी जो वाजिब मांगें हैं उनको स्वीकार किया जाये क्योंकि उसकी पूरी जवाबदेही केन्द्रीय सरकार पर है।

13.17 hrs.

RE, NON-AVAILABILITY OF YARN

अध्यक्ष महोदय : झारखंडे राय जी, इसका जवाब तो दो तीन दफा हो चुका है।

श्री झारखण्डे राय (धोली): अध्यक्ष महोदय, सारे देश में और विशेषकर उत्तर भारत में सूत गायब हो गया है। (व्यवधान)

9 मार्च को भारत सरकार ने सूत पर नियन्त्रण किया और 12-13 मार्च को उसको मिलों ने लागू कर दिया। मिलों से सूत का निकलना बन्द हो गया। जो सूत तब तक मार्केट में आ चुका था उससे 10-12 दिन काम चला लेकिन 26-28 तारीख तक जब लोकल अधिकारियों ने सभी जगह जो लोकल स्टाक था वह अपने हाथ में ले लिया तब नतीजा यह है कि उत्तर भारत में, दक्षिण भारत के नागपुर में, फैजाबाद में, मऊ में, बंगाल में और गुजरात भी सभी जगह सूत किसी भी दाम पर बिल्कुल नहीं मिल रहा है। भारत सरकार ने नियन्त्रण किया तो ठीक किया लेकिन डिस्ट्रीब्यूशन सिस्टम न बनाने की वजह से हैंडलूम और पावरलूम को सूत बिल्कुल नहीं मिल रहा है।

SHRI P. G. MAVALANKAR (Ahmedabad): On a point of order. To this very matter I had invited your attention two days back, but you were pleased to decline your permission. May I know how is it that the same matter has been allowed to be raised today?

MR. SPEAKER: It is right, the hon. Member met me and I declined my permission..(*Interruptions*) I do not follow how it is a new method.

SHRI ATAL BIHARI VAJPAYEE (Gwallor): Government has taken over distribution of yarn, but yarn is not available. I went to Moradnagar.... (*Interruptions*) Yarn is not available.

अध्यक्ष महोदय : मैं इसके बारे में आप-को टाइम दे देता, आपने मोशन दिया है लेकिन जैसा मैंने कल भी कहा था कि यह पहले इस हाउस में आ चुका है। अब कामर्स की डिमाड आ रही है उस पर कह लीजिए।

श्री अटल बिहारी वाजपेयी : जब आपने पहले इजाजत दी थी, काल अटेन्शन एडमिट किया था तब मन्त्री महोदय ने एलान किया था कि सूत का डिस्ट्रीब्यूशन सरकार अपने हाथ मे ले रही है। सरकार ने डिस्ट्रीब्यूशन तो अपने हाथ मे ले लिया लेकिन डिस्ट्रीब्यूशन हो नही रहा है। क्या यह मामला कामर्स मिनिस्ट्री की डिमाण्ड्स तक रुका रह सकता है ? आज तो वह आ नही सकता है क्योंकि शिक्षा पर आपने एक घण्टा बढा दिया है।

अध्यक्ष महोदय लेकिन यह इसमे कैसे आ सकता है ? (**व्यवधान**)

श्री झारखंडे राय अध्यक्ष जी मै यह कह रहा हू कि नतीजा यह है कि हमारे खुद अपने आजमगढ जिले मे 40 000 हैडलूम्स मे से 30,000 बन्द हो गये, और 4,000 पावरलूम मे स 2,700 बन्द हो गये है। एक गुड्डी सूत नही मिल रहा है। अब तक तो लोगो को शिकायत यह थी कि सूत महगा है, अब यह है कि एक गुड्डी भी सूत नही मिल रहा है। सरकार ने, अपना नियन्त्रण कर लिया ठीक है, लेकिन वितरण की कोई व्यवस्था नहीं की।

श्री सरजू पांडे (गाजीपुर) : मन्त्री जी आश्वासन दे कि कैसे लोगों को सूत मिलेगा।

श्री हुकम चन्द कछवाय : इतने लोग बेकार हो रहे है, मन्त्री महोदय कुछ तो कहें

अध्यक्ष महोदय : मैं आपको अनुमति नही दे रहा हू, आप बैठ जाइये।

श्री अटल बिहारी वाजपेयी : अध्यक्ष जी, ऐसा लगता है कि सरकार ने कोई अभी तक पौलिसी नहीं बनायी है। टैक्सटाइल कमिश्नर के पास जाते हैं वह कहते हैं कि सूत बाटने की कोई योजना नही बनी है।

SHRI P. G MAVALANKAR: 25,000 power looms have already been closed in Gujarat of which 6000 are in the city of Ahmedabad itself.

श्री हुकम चन्द कछवाय : लोग काम बन्द करके बैठे हुए है, उन का रोजगारनही चल रहा है, भूखे मर रहे है।

अध्यक्ष महोदय : कैसे चले यह हाउस, समझ मे नही आता। मैं तो सोच रहा हू कि मैं ही यहा से भाग जाता हू, आप तो नही हटेंगे। मेरे बस के बाहर बात निकल गयी है। (**व्यवधान**) कछवाय जी, आप बैठ जाइये। अगर आप ऐसे ही हाउस को चलायेंगे तो इस का मतलब है कि कोई मुझ मे ही गलत बात होगी। मैं चाहता हू कि कोई और आये, कोई और बैठने वाला आ जायगा। यह जो आप के सामने एक तरीका है इसकी धीरे धीरे अगर आप अहमियत को कम करेंगे तो कोई और तरीका आयेगा। अगर पार्लियामेंट को आप इसी तरह का बनाना चाहते है तो इसके आगे क्या आयेगा, यह आपको सोचना पडेगा। (**व्यवधान**) अरे भाई बैठो। आप समझते क्यो नही। माननीय कछवाय जो, आप जो कुछ कह रहे है वह रेकार्ड मे नही आयेगा। आप लोगों को जरूर सोचना पड़ेगा, मै बिल्कुल साफ कहता हू। कहिये वाजपेयी जो, आप को क्या कहना है।

श्री अटल बिहारी वाजपेयी : माननीय अध्यक्ष जी, आप शान्त हो जाइये।

अध्यक्ष महोदय : मुझे यह शिकायत है कि यह जो पार्लियामेंट का तरीका है इसको अगर तरीके से नही चलाया तो फिर और कोई तरीका आप को सोचना पड़ेगा। मैं भी चला जाऊं और आप भी चले जायेंग, लेकिन यह पार्लियामेंट रहेगी, इसको जरूर चलना

[अध्यक्ष महोदय]

चाहिये, और यह पार्लियामेंट रहनी चाहिये। हमारे और आप जैसे आते जाते रहेंगे, लेकिन Parliament must have the dignity of its own

---

13.23 hrs.

PERSONAL EXPLANATION BY MEMBER

श्री अटल बिहारी वाजपेयी (ग्वालियर) अध्यक्ष जी, मै आप की इजाजत से एक व्यक्तिगत स्पष्टीकरण देना चाहता हूं। शिक्षा मन्त्रालय के अनुदान की मांगों पर जब 4 अप्रैल को बहस हो रही थी तो श्री चन्द्र पन ने मेरे नाम का हवाला देकर एक बात कही। उन्होंने कहा, सें उनके शब्दों को उद्धृत कर रहा हूं :

> "You may be knowing that the leaders of the syndicate are taking interest in this University. (Aligarh Muslim University). Shri Piloo Mody has been bestowed the life membership of the Aligarh Muslim University. Mr. Atal Bihari Vajpayee visited the University and had discussion there."

अध्यक्ष महोदय, मैं अभी तक उस विश्व विद्यालय में गया नही हूं निकट भविष्य में उस विश्वविद्यालय में मेरा जाने का कोई इरादा नही है। श्री चन्द्रप्पन को सही जानकारी रखनी चाहिये। इस सदन में आकर इस तरह की अनर्गल बातें कहना या तो मुझे बदनाम करने का तरीका है, या मेरी पार्टी को बदनाम करने का तरीका है। किसी प्रेस में यह छपा हुआ नही है। यह बिल्कुल गलत बात है। सी० पी० आई० के मेम्बर इस तरह की अनर्गल बातें कह कर देश के वातावरण को बिगाड़ना चाहते है।

13.25 hrs.

DEMANDS FOR GRANTS, 1973-74—Contd.

MINISTRY OF EDUCATION AND SOCIAL WELFARE AND DEPARTMENT OF CULTURE —contd.

MR. SPEAKER: The House will now take up further discussion on the Demands for Grants relating to the Ministry of Education and Social Welfare and the Department of Culture.

Shri Mulki Raj Saini to continue his speech.

श्री मुल्की राज सैनी (देहरादून) : अध्यक्ष महोदय, मैं कह रहा था कि सरकार ने शिक्षा के प्रसार के लिये और शिक्षा को गरीबों तक पहुंचाने के लिये कुछ दिशा बदलनी है और उनकी यह योजना प्रशंसनीय है। देश के अन्दर 1971 से राज्य सरकारो को 30,000 टीचर्स, 240 इंसपेक्टर और 1000 वर्किंग टीचर्स दिये गये। इसी तरह से 1972 और 1973 में 90,000 टीचर्स 720 इंसपेक्टर्स और 3,000 वर्किंग टीचर्स दिये गये हैं। जिससे आभास होता है कि 6 से 11 साल तक के बच्चों को प्राइमरी शिक्षा देने की योजना पूरी हो जायगी। यह कार्य प्रशसनीय है।

13.26 hrs.

[MR. DEPUTY-SPEAKER *in the Chair*].

इसी तरीके से पढ लिखे अनएम्प्लायड लोगों को रोजगार देने के लिये 29 करोड रु० बजट में रखा गया है। इसी तरीके से सरकार ने तकनीकी, प्रौद्योगिकी और इजीनियरिंग शिक्षा के वास्ते अलग अलग सस्थान खोल रखे हैं। सवाल यह होता है कि इन सस्थानों में किस के बच्चे पढ सकते हैं ? क्योंकि यह बहुत खर्चीली शिक्षा है इसलिये इनमें किसी गरीब का बच्चा, निम्नतम श्रेणी का बच्चा, मध्यम श्रेणी का बच्चा, हरिजन, आदिवासी और देहात के गरीब तबके के लोग नही जा सकते हैं। इस वास्ते मेरा सुझाव है कि सरकार को यह शिक्षा गरीब के बच्चों तक पहुंचाने के लिये सस्ती करनी चाहिये। आप कहेंगे कि छात्रवृत्तियां हैं। लेकिन वह इतनी कम हैं कि इस मांग को पूरा नहीं करतीं। तो इस तरीके से सरकार को इसकी व्यवस्था करनी चाहिये।